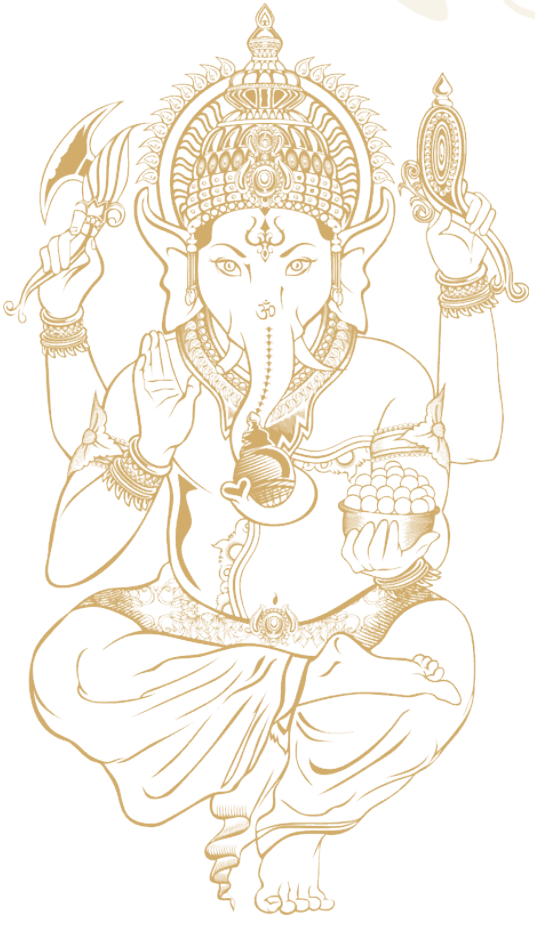

Rambabu

18 Oct 1984

06:25 AM

Banda

Model: web-freekundliweb

Order No: 119175703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/10/1984**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**06:25:00 घंटे**
इष्ट	00:40:18 घटी
स्थान	**Banda**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:28:00 उत्तर
रेखांश	80:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:16:20 घंटे
वेलान्तर	00:14:51 घंटे
साम्पातिक काल	08:03:09 घंटे
सूर्योदय	06:08:52 घंटे
सूर्यास्त	17:38:33 घंटे
दिनमान	11:29:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:11:07 तुला
लग्न के अंश	03:59:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

Jyotishacharya Rahul Dixit
Dixit Tower, Infront of AkashWani, Patan Road, Karmeta, Jabalpur (M.P.)
7415300300, 9329885341
Ptrahuldixit@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:59:33	320:09:27	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			तुला	01:11:07	00:59:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			कर्क	03:06:10	13:30:17	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल			धनु	15:19:24	00:42:45	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	06:12:58	01:38:17	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			धनु	13:03:54	00:08:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	03:40:44	01:13:05	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि			तुला	22:34:12	00:06:51	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	04:15:13	00:00:12	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	04:15:13	00:00:12	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	17:24:27	00:02:48	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
नेप			धनु	05:24:32	00:01:13	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
प्लूटो			तुला	08:08:09	00:02:25	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	05:01:12	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:25

लग्न-चलित

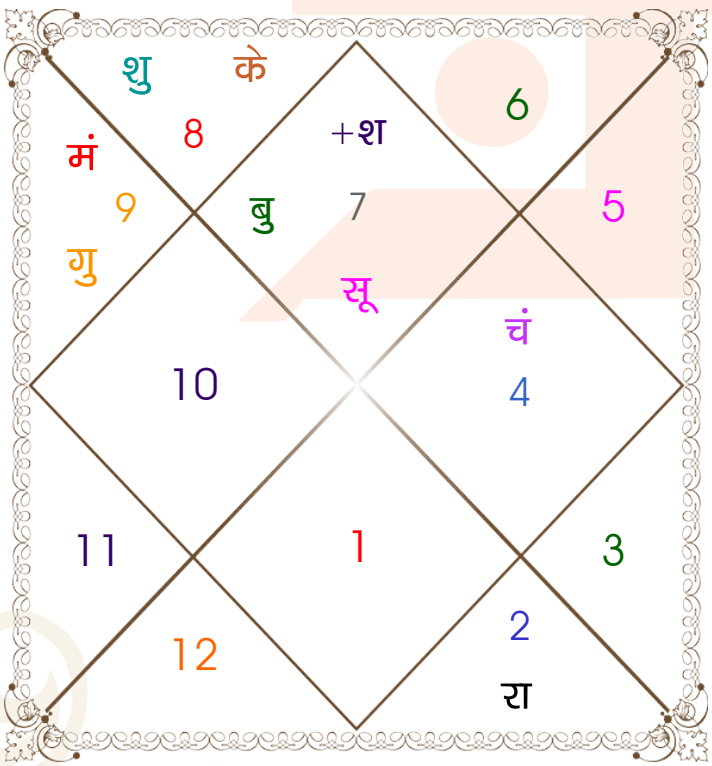

चन्द्र कुंडली

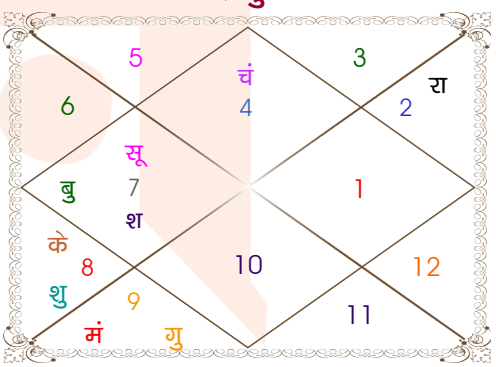

नवमांश कुंडली

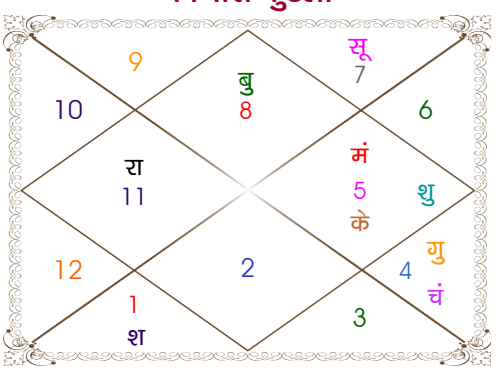

Jyotishacharya Rahul Dixit

Dixit Tower, Infront of AkashWani, Patan Road, Karmeta, Jabalpur (M.P.)

7415300300, 9329885341

Ptrahuldixit@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 3 मास 9 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/10/1984		27/01/1985		28/01/2004		27/01/2021		28/01/2028	
27/01/1985		28/01/2004		27/01/2021		28/01/2028		28/01/2048	
	00/00/0000	शनि	31/01/1988	बुध	25/06/2006	केतु	25/06/2021	शुक्र	29/05/2031
	00/00/0000	बुध	10/10/1990	केतु	22/06/2007	शुक्र	25/08/2022	सूर्य	28/05/2032
	00/00/0000	केतु	19/11/1991	शुक्र	22/04/2010	सूर्य	31/12/2022	चंद्र	27/01/2034
	00/00/0000	शुक्र	18/01/1995	सूर्य	27/02/2011	चंद्र	01/08/2023	मंगल	29/03/2035
	00/00/0000	सूर्य	31/12/1995	चंद्र	28/07/2012	मंगल	28/12/2023	राहु	29/03/2038
	00/00/0000	चंद्र	01/08/1997	मंगल	25/07/2013	राहु	15/01/2025	गुरु	27/11/2040
	00/00/0000	मंगल	09/09/1998	राहु	12/02/2016	गुरु	22/12/2025	शनि	28/01/2044
	18/10/1984	राहु	16/07/2001	गुरु	20/05/2018	शनि	30/01/2027	बुध	27/11/2046
राहु	27/01/1985	गुरु	28/01/2004	शनि	27/01/2021	बुध	28/01/2028	केतु	28/01/2048

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/01/2048		27/01/2054		28/01/2064		27/01/2071		27/01/2089	
27/01/2054		28/01/2064		27/01/2071		27/01/2089		19/10/2104	
सूर्य	16/05/2048	चंद्र	27/11/2054	मंगल	25/06/2064	राहु	10/10/2073	गुरु	17/03/2091
चंद्र	15/11/2048	मंगल	29/06/2055	राहु	13/07/2065	गुरु	04/03/2076	शनि	27/09/2093
मंगल	23/03/2049	राहु	27/12/2056	गुरु	19/06/2066	शनि	09/01/2079	बुध	03/01/2096
राहु	14/02/2050	गुरु	28/04/2058	शनि	29/07/2067	बुध	28/07/2081	केतु	09/12/2096
गुरु	04/12/2050	शनि	28/11/2059	बुध	25/07/2068	केतु	16/08/2082	शुक्र	10/08/2099
शनि	16/11/2051	बुध	28/04/2061	केतु	21/12/2068	शुक्र	16/08/2085	सूर्य	29/05/2100
बुध	21/09/2052	केतु	27/11/2061	शुक्र	20/02/2070	सूर्य	10/07/2086	चंद्र	28/09/2101
केतु	27/01/2053	शुक्र	29/07/2063	सूर्य	28/06/2070	चंद्र	09/01/2088	मंगल	04/09/2102
शुक्र	27/01/2054	सूर्य	28/01/2064	चंद्र	27/01/2071	मंगल	27/01/2089	राहु	19/10/2104

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 3 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Jyotishacharya Rahul Dixit
Dixit Tower, Infront of AkashWani, Patan Road, Karmeta, Jabalpur (M.P.)
7415300300, 9329885341
Ptrahuldixit@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।